मैक्स

कोयला व खनन नियमों में ढील से धातु कंपनियों के शेयर चढ़े

बीएसई मिडकैप सबसे ज्यादा ... शेयर

पिछला बंद भाव

अदाणी ग्रीन एनर्जी

231.70

220.70

183.50

लगातार 9वें कारोबारी सत्र में शेयर उछला, चार महीने में 409 फीसदी चढ़ा

₹ 220.70 पिछला बंद भाव

₹ 231.70 आज का बंद भाव


**NOTICE**

It is notified for the information that my Original Qualifying Examination Certificate and Marksheet of Main, Secondary, Examination of Year 1990 and Roll No. 140029 issued by CBSE has been actually destroyed. Name of the candidate Hemant Dhingra Full Address/Tel. 298, Sainik Vihar, Gate No. 3, Near Rani Bagh, Delhi -110034, Ph. No. 9810933662

**NIKKI GLOBAL FINANCE LIMITED**

**Regd. Off.:** I-9, LGF, Lajpat Nagar -1, New Delhi -- 110024,

**CIN:** L65999DL1986PLC024493

**Telefax:** +91-11-64000323

**Web:** www.nikkiglobal.com

**Email:** info@nikkiglobal.com

**Notice**

Notice is hereby given pursuant to Regulation 29 readwith Regulation 47 of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, that a meeting of the Board of Directors of the Company will be held on Tuesday, 4th day of February, 2019 at 11:00 A.M. at the Registered Office of the Company at I-9, LGF, Lajpat Nagar-1, New Delhi - 110024, interalia to consider, approve and take on record the un-audited financial results of the Company for the quarter ended on 31st December, 2019 & any other business with the permission of Chair.

Pursuant to the Company's Code of internal procedures and Conduct for regulating, monitoring and reporting of trading by insiders of the Company, the Trading Window for dealing in securities of the Company is closed for all Designated Persons and immediate relatives of designated persons from Wednesday, 1st day of January, 2020 to till 48 hours after the declaration/announcement of the un-audited financial results of the Company for the quarter ended on 31st December, 2019.

The information contained in this notice is available on the Company's website www.nikkiglobal.com and also on the website of BSE Ltd.-www.bseindia.com.

For Nikki Global Finance Limited

Sd/-

Managing Director

DIN: 02319026

Date : 09.01.2020

Place : New Delhi


# ...कंपनियों के लिए दो ...ग्राहक बड़ी चुनौती

■ **39 करोड़ उपयोगकर्ताओं में 50 प्रतिशत ग्राहक एक मोबाइल नंबर पर ध्यान दे सकते हैं**

...औसत 150-160 रुपये खर्च कर ...हे थे, जो सिंगल-सिम ...उपयोगकर्ता के लगभग 120 रुपये ...के एआरपीयू की तुलना में अधिक ...। इस वजह से उनके अपने साथ ...जोड़े रखना दूरसंचार कंपनियों के ...लिए वित्तीय रूप से आकर्षक हो ...गया है। इस बदलाव का कारण ...सामान्य है: पिछले साल के अंत ... रिलायंस जियो समेत कई ...दूरसंचार कंपनियों ने तीन साल ...बाद पहलली बार अपनी दरों में ...5-40 प्रतिशत तक का इजाफा ...किया जिससे उपभोक्ताओं के ...बिल बढ़े हैं। इससे उन्हें दो नंबर ...बनाए रखने के लिए फिर से सोचने ...के लिए बाध्य होना पड़ेगा। भारती ...एयरटेल जैसी दूरसंचार कंपनियां ...अनुमान जता रही हैं कि अगली ...कुछ तिमाहियों में एआरपीयू ...बढ़कर 200 रुपये प्रति महीने ...(मौजूदा लगभग 128 रुपये से) ...हो जाएगा और कुछ समय में यह ...0 रुपये भी हो सकता है।

दूसरी वजह यह है कि दूरसंचार कंपनियों की दरों में कोई ज्यादा अंतर नहीं दिखने (डेटा और वॉयस दोनों के संदर्भ में) से ग्राहकों के लिए दो सिम बनाए रखना उपयुक्त नहीं दिख रहा है।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के आंकड़े के अनुसार, देश में 118.3 करोड़ मोबाइल ग्राहक हैं, लेकिन इनमें सिर्फ 98.1 करोड़ सक्रिय हैं।

सीओएआई के महानिदेशक राजन मैथ्यू का कहना है, 'दरों में वृद्धि से कीमत को लेकर प्रतिस्पर्धी कंपनियों के बीच कोई अंतर नहीं रह गया है और यही वजह है कि ग्राहक दो सिम क्यों रखना चाहेगा। हमारा मानना है कि इनमें से आधे ग्राहक एक सिम रखने की योजना बनाएंगे। अब मुख्य जोर दरों को लेकर नहीं बल्कि सेवा और नेटवर्क की गुणवत्ता पर केंद्रित रहेगा।' कई विश्लेषकों का कहना है कि इस बदलाव की मुख्य लाभार्थियों में भारती एयरटेल और रिलायंस जियो शामिल हो सकती हैं, जिनका वोडाफोन-आइडिया के मुकाबले 4जी का व्यापक सेवा नेटवर्क है।